प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

गाजरघास उन्मूलन के वैज्ञानिक किसानों के द्वार

पंतनगर। 17 अगस्त 2023। पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह का आयोजन पंतनगर ग्रामीण जैव सम्पदा केन्द्र, खन्ना फार्म, भगवानपुर में किया गया। इस अवसर केन्द्र के निदेशक डा. डी.के सिंह ने सभी आगन्तुकों का स्वागत करते हुए बताया कि यह जागरूकता सप्ताह हर वर्ष पंतनगर कैम्पस में 16–22 अगस्त के मध्य खरपतवार वैज्ञानिकों द्वारा चलाया जाता है और इस अवसर पर यह कार्यक्रम आज इस केन्द्र में आयोजित किया गया है।

डा. एस.पी. सिंह, परियोजना अधिकारी द्वारा बताया कि गाजरघास के पौधे में छोटे–छोटे रोयें पाये जाते है जो शरीर के सम्पर्क में आने पर दाद, खाज, खुजली आदि पैदा करते है। धीरे–धीरे ये दाद एक्जिमा का रूप ले लेता है परन्तु इस पौधे को हम कम्पोस्ट बनाने मे प्रयोग कर सकते हैं जिससे हमें सामान्य कम्पोस्ट की तुलना में 1.5 से 2.0 गुना पोषक तत्वों की मात्रा अधिक पायी जाती हैं। डा. सिंह ने बताया कि गाजरघास को नियंत्रित करने के लिए देनी गेंदा बहुत लाभकारी है जिसे सड़क के किनारे एवं आस–पास के गाजरघास से ग्रसित क्षेत्र में बीज छिड़कने से तीसरे वर्ष में इससे सम्पूर्ण नियंत्रण पाया जा सकता है। दूसरा पौधा चकवड़ है जिसके बीज आस–पास के क्षेत्र में छिड़कने से इस गाजरघास पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है इसके अतिरिक्त रासायनों जैसे ग्लाफोसेट, पैराक्वाट, 2,4–डी, मैट्रीब्यूजिन आदि की 1–1.5 प्रतिशत घोल से इस पर नियंत्रण पाया जा सकता है। जैविक नियंत्रण हेतु मैक्सिकन बीटल के प्रयोग से गाजरघास पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है। यह कीट दूसरी फसलों को नुकसान नहीं पहुँचाता है।

इस समारोह में लगभग 100 किसानों ने भाग लिया और गाजरघास से सबंधित अपनी समस्याओं का समाधान किया। अंत में सभी लोगों ने मिलकर आस–पास के क्षेत्रों में फैली हुई गाजरघास को जड़ सहित उखाड़ कर नष्ट किया। इस अवसर पर खरपतवार परियोजना के वरिष्ठ शोध अध्ययेता डा. मनोज कुमार, विशाल विक्रम सिंह, सोमेन्द्र सिंह, धमेन्द्र कुमार एवं स्टाफ के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम में गाजरघास का उन्मूलन सप्ताह के अन्तर्गत किसानों को जागरूक करते वैज्ञानिक एवं किसान।